

कान्हा ने ऐसी है मुरली बजाई

कान्हा ने ऐसी है मुरली बजाई
सुन ने को सारी ही गोपी है आई,
तेरी मुरली बड़ी चित चोर रे,
हां मेरा दिल पे नहीं है अब जोर रे,

तेरी इस बंसी के सब है दीवाने
लगता है प्यारी सी धुन जो बजाने.
इक दिन तू मुझको भी मुरली बनाने
अपने अधिरण पे ओह कान्हा सजा ले
मेरी ईशा नहीं है कोई और रे
मेरा दिल पे नहीं है अब जोर रे,

तेरी मुरली पे हो गई फ़िदा मैं,
अब न रह पाउंगी तुझसे जुदा मैं
जाने क्या मुरली में ऐसी बात है
प्रेम की जैसे हुई बरसात है
खीचे मन की मेरे दिल की डोर रे,
मेरा दिल पे नहीं है अब जोर रे,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18093/title/kanha-ne-esi-hai-murli-bajai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |